हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, शनिवार 9 अगस्त 2025
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रक्षाबंधन पर्व में जिला जेल के बंदियों को बहनें बांध सकेगी राखी

शहडोल। अधीक्षक जिला जेल भास्कर पाण्डेय ने बताया कि जिला जेल शहडोल में 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर भाई-बहनों के खुली मुलाकात हो सकेगी। उन्होंने बताया कि जिला जेल में मुलाकात हेतु परिजनों के नाम प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक लिए जाएंगे। इसके पश्चात मुलाकात हेतु अनुरोध स्वीकार नही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जेल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परिजनों से अपील की है कि कोई भी प्रतिबंधित सामग्री जैसे रुपये पैसे, मोबाईल, कोई भी मादक पदार्थ आदि लेकर न आएं। किसी भी प्रकार की बाहरी सामग्री के साथ प्रवेश नही दिया जाएगा। केवल जेल केंटीन से राखी, मिठाई 250 ग्राम, कुमकुम, फल एवं रुमाल ही स्वीकार की जाएगी, जो जेल केंटीन से निर्धारित राशि भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुलाकात में सहयोग प्रदान करें एवं किसी भी प्रकार से अव्यवस्था उत्पन्न न करें।

झंडा ऊंचा रहे हमारा नारे के साथ विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा रैली

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, शिक्षक, विद्यार्थी व आम जनमानस बढ़ चढक़र सहभागिता निभा रहे है और लोगो में देश भक्ति की भावना को जागृत कर रहें है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय शहडोल के महिला समिति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विद्यालय में अध्यनरत शिक्षको एवं विद्यार्थियो द्वारा तिरंगा का महत्व बताने के लिए झंडा ऊंचा रहे हमारा, वंदे मातरम, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा सहित देशभक्ति के अन्य नारो के साथ शहडोल नगर में तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा रैली में पूर्व अध्यक्ष नगरपालिका श्रीमती उर्मिला कटारे, सचिव महिला समिति श्रीमती संगीता दुबे सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल रहें।

दक्षिण वनमण्डल का वनों के संरक्षण और संवर्धन में अनुकरणीय योगदान

शहडोल। दक्षिण वनमण्डल शहडोल प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत और जैव विविधता के समृद्ध संगम का प्रतिनिधित्व करता है। जिले के कुल तीन लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में से 1 लाख 13 हजार हेक्टेयर क्षेत्र पर इस वनमण्डल का प्रभाव क्षेत्र फैला हुआ है, जो मेकल पर्वत की श्रृंखलाओं से शुरू होकर जैतपुर होते हुए छत्तीसगढ़ की सीमा को स्पर्श करता है। मुख्य वनसंरक्षकराजेश कुमार राय (भा.व.से.) के मार्गदर्शन और वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल सुश्री श्रद्धा पन्द्रे (भा.व.से.) के नेतृत्व में वन संरक्षण को लेकर निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। जुलाई माह के मानसून सत्र में पूरे वनमण्डल क्षेत्र में 8 करोड़ 80 लाख पौधों का रोपण किया गया, जिसमें आम, नीम, पीपल और आंवला जैसे बहुउपयोगी वृक्षों को प्राथमिकता दी गई। यह कार्य वन सुरक्षा समितियों और ग्राम वन समितियों के समन्वय से संपन्न कराया गया। वनमण्डल में 112 वन सुरक्षा समितियाँ एवं 153 ग्राम वन समितियाँ सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। पूरे रोपण अभियान में विचारपुर, धनपुरी, मुकुंदपुर, सीतापुर, हर्री, शंकर और बदरखेड़ा की नर्सरियों से पौधों की आपूर्ति की गई, जिससे 1207.62 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण संभव हो सका। वन विभाग केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अपने अमले के लिए मूलभूत सुविधाओं का भी विकास किया गया। वर्ष 2025 में कुडेली, नवागांव, धनगवां, करकट, हरदी और मुसरा जैसे स्थानों पर वनरक्षक आवासों का निर्माण किया गया। साथ ही, शहडोल परिक्षेत्र में परिक्षेत्र सहायक आवास तथा केशवाही में वनपरिक्षेत्राधिकारी आवास का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। वनों की सुरक्षा और वनोपज के सुचारु प्रबंधन हेतु बेला, भठिया, लफदा एवं भागा में वनोपज निकासी जांच नाके स्थापित किए जाएंगे। विभाग द्वारा इन सभी निर्माण कार्यों पर लगभग 1 करोड़ 41 लाख रुपये व्यय किए गए हैं। दक्षिण वनमण्डल शहडोल प्राकृतिक, धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से भी समृद्ध है। मां सिंहवाहिनी, कंकाली देवी, भठिया देवी जैसे धार्मिक स्थलों और लखवरिया की ऐतिहासिक गुफाओं से यह क्षेत्र वन्य पर्यटन का केंद्र बन रहा है।

चट्टान बनीं महिलाएं: एसईसीएल वर्कशॉप में नारी शक्ति का तकनीकी कमाल

रीजनल वर्कशॉप में नारी शक्ति का जलवा

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया मुख्यालय स्थित रीजनल वर्कशॉप में महिलाएं कठिन तकनीकी कार्यों में अपनी दक्षता का लोहा मनवा रही हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी इस नारी शक्ति की सराहना करते हुए प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया मुख्यालय स्थित रीजनल वर्कशॉप में इन दिनों एक अद्वितीय मिसाल देखने को मिल रही है, जहां महिलाएं परंपरागत रूप से पुरुषों द्वारा किए जाने वाले कठिन और तकनीकी कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम दे रही हैं। लोहे की छड़ों को भारी-भरकम मशीनों में काटकर उनसे उपकरण बनाना, ड्रिलिंग, वेल्डिंग और अन्य तकनीकी कार्य ये सब अब यहां की महिलाएं पूरी दक्षता और आत्मविश्वास के साथ कर रही हैं। वर्कशॉप में 83 कर्मचारियों में से 38 महिलाएं कार्यरत हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इन महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि तकनीकी और श्रमसाध्य कार्यों में भी उनकी क्षमता किसी पुरुष से कम नहीं है। यहां का कार्य वातावरण इतना सुरक्षित और सहयोगपूर्ण है कि महिलाएं बिना किसी भय के पूरी तन्मयता से अपना काम करती हैं।

वीडियो सोशल मीडिया पर मचा रहा धूम

स्थानीय कर्मचारियों द्वारा वर्कशॉप में महिलाओं के कार्यों का एक वीडियो तैयार किया गया, जो सोशल मीडिया पर जमकर शेयर हो रहा है। इस वीडियो को लेकर पूरे क्षेत्र में चर्चा है और यह नारी शक्ति के पराक्रम का प्रतीक बन गया है। वीडियो की लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी इसे अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शेयर किया और नारी शक्ति की प्रशंसा की।

मंत्री ने ट्वीट में लिख

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एसईसीएल में महिलाएं अब

सिर्फ मशीनें ही नहीं संभाल रही हैं, बल्कि भारत के भविष्य को आकार दे रही हैं। निर्माण से लेकर वेल्डिंग तक, वाइंडिंग से लेकर लेथ वर्क तक, वे कार्यशालाओं और राष्ट्र निर्माण को शक्ति प्रदान कर रही हैं। एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की ओर एक कदम। उन्होंने आगे कहा कि समस्त देशवासियों को इसका अनुसरण करना चाहिए, ताकि देश के हर कोने में महिलाएं अपने कौशल और मेहनत का परचम लहरा सकें।

अधिकारियों के मार्गदर्शन में बनी प्रेरणादायी मिसाल

इस शानदार उपलब्धि का श्रेय सोहागपुर एरिया के मुख्य

महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव को जाता है, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व और प्रोत्साहन ने वर्कशॉप में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया। उनके साथ वर्कशॉप के प्रभारी एम.ए.एच. सिद्दीकी और अभियंता अजय द्विवेदी ने वर्षों से अपने मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग से महिलाओं को न केवल प्रशिक्षित किया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी और दक्ष बनाया। इन्हीं अधिकारियों के प्रयासों से वर्कशॉप में एक सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल तैयार हुआ, जहां महिलाएं बिना किसी असुरक्षा की भावना के काम कर रही हैं। मनीष श्रीवास्तव, एम.ए.एच. सिद्दीकी और अजय द्विवेदी का यह योगदान नारी सशक्तिकरण का एक सशक्त उदाहरण है, जिसे देशभर में अपनाया जा सकता है।

बाढ़ और आपदा प्रभावितों को मिली राहत, जिले में 553 हितग्राहियों को 10.05 करोड़ की सहायता

शहडोल।

प्रदेश में बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से 30 करोड़ रुपये की राहत राशि 28 हजार हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की गई। इसी क्रम में शहडोल जिले के 553 प्रभावितों को 10 करोड़ 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ के इस कठिन समय में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ आमजन के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में सामान्य से अधिक वर्षा के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे जनजीवन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। अनेक परिवारों को अपने घर छोडक़र शिविरों में शरण लेनी पड़ी और कई लोगों ने अपनों को खो दिया। संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन दल, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं सेना के संयुक्त प्रयासों से जनहानि को रोका गया और राहत कार्य तेजी से संपन्न किए गए। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पूर्व में प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों को 28 करोड़ रुपये की सहायता पहले ही वितरित की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य सरकार द्वारा अब तक कुल 58 करोड़ रुपये की मानवीय सहायता जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा चुकी है। फसल क्षति के लिए राहत राशि फसल सर्वे के उपरांत जारी की जाएगी। शहडोल जिले की ग्राम पंचायत रोहनिया के निवासी बृजेश यादव के बेटे शाहिल और बेटी शौर्या की 8 जुलाई को नाले में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद मुख्यमंत्री द्वारा परिवार को 8 लाख रुपये की राहत राशि स्वीकृत कर खाते में अंतरित की गई। वहीं ग्राम कुवरसेजा के रामशरण सिंह की पत्नी हिरतिया बाई की 6 जुलाई को आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हुई, जिसके लिए 4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। इस अवसर पर एनआईसी शहडोल में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का एवं प्रभावित हितग्राही मौजूद रहे।

खाकी संग राखी कार्यक्रम ब्यौहारी थाने में किया आयोजित, निकाली गई तिरंगा रैली

शहडोल। जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान 15 अगस्त तक चलाया जा रहा है। जिले की तहसील ब्यौहारी के अशासकीय सेंट्रल एकेडमी मऊ के विद्यार्थियो द्वारा पुलिस थाना ब्यौहारी पहुंचकर खाकी संग राखी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा पुलिस भाईयो को राखी बांधी गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए थाना प्रभारी अरूण पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य लोगो में देश भक्ति की भावना को जागृत करना है। इस अभियान में बढ़ चढक़र सहभागिता निभाएं और घर-घर तिरंगा लहराएं। साथ ही हर घर तिरंगा अभियान के तहत अशा. सेंट्रल एकेडमी मऊ के विद्यार्थियो द्वारा ब्यौहारी नगर में तिरंगा झांड के साथ तिरंगा रैली निकाली और लोगो को घर घर तिरंगा लगाने एव राष्ट्र प्रेम की भावना के लिए प्रेरित किया गया।

जयसिंहनगर सिविल अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर सवाल

डॉक्टरों की गैरमौजूदगी, मरीज बेहाल, जवाबदेही से बच रहे जिम्मेदार

पत्रकार को वीडियो बनाने पर नर्स ने दी धमकी

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर का सिविल अस्पताल एक बार फिर से अपनी लापरवाही और अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। 8 अगस्त की सुबह 10:20 बजे तक अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, जिससे इलाज के लिए आए मरीज घंटों तक भटकते रहे। मरीजों ने जब अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. आशुतोष से मदद की गुहार लगाई, तो उन्होंने यह कहकर मरीज देखने से इंकार कर दिया कि उनकी ड्यूटी रात की थी। डॉ. आशुतोष उस समय अस्पताल परिसर में ही मौजूद थे, फिर भी उन्होंने मरीज की गंभीरता को नजरअंदाज करते हुए इलाज से इनकार कर दिया। यही हाल अन्य डॉक्टरों का भी था - चेंबर बंद थे और कोई भी चिकित्सक उपलब्ध नहीं था। जब इस मामले में सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि आनंद डॉक्टर रास्ते में हैं और उन्हें भेजा जा रहा है। डॉक्टर आनंद करीब 11 बजे पहुंचे और उन्होंने दूसरी मंजिल पर बैठकर मरीजों को देखना शुरू किया। इसी दौरान पत्रकार पंकज पाण्डेय अस्पताल की अव्यवस्था, गंदगी और मरीजों की परेशानी को कैमरे में कैद कर रहे थे ताकि जनहित में सच्चाई सामने लाई जा सके। तभी अस्पताल में पदस्थ नर्स पाकीजा, जो कि पिछले 28 वर्षों से यहां कार्यरत हैं, पत्रकार से अभद्रता पर उतर आईं। उन्होंने पत्रकार से झगड़ते हुए कहा कि वीडियो क्यों बना रहे हो? जब पत्रकार ने स्पष्ट किया कि यह वीडियो उनकी नहीं बल्कि अस्पताल की दुव्यवस्था का है, तो नर्स ने खुलेआम धमकी दी - चले जाइए, नहीं तो मार दूंगी।

यह व्यवहार न केवल अमर्यादित है, बल्कि यह पत्रकारों की निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे इस पूरी घटना के गवाह हैं और स्पष्ट करते हैं कि पाकीजा नर्स ने पत्रकार को धमकाया। गौरतलब है कि किसी भी शासकीय या सार्वजनिक स्थल का वीडियो बनाना अपराध नहीं है। खासकर तब जब वहां की लापरवाहियों को उजागर करना आवश्यक हो। अफसोस की बात यह है कि कई शासकीय संस्थानों में यह सोच घर कर गई है कि जैसे वे स्थान उनकी निजी संपत्ति हों। यही हाल जिला मुख्यालय के मेडिकल कॉलेज का भी है, जहां पत्रकारों द्वारा अव्यवस्था का वीडियो बनाए जाने पर मेडिकल कॉलेज के गार्ड्स मीडिया कर्मियों को घेर लेते हैं और उन्हें धमकाने का प्रयास करते हैं।

इस पूरे मामले ने एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं, क्या सरकारी अस्पतालों को किसी भी प्रकार की सार्वजनिक निगरानी से मुक्त रखा जाएगा? क्या मरीजों और पत्रकारों की आवाज दबाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को खुली छूट दे दी गई है? क्या लापरवाही को उजागर करना अब खतरे से खाली नहीं?

आमजन और मीडियाकर्मी प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जयसिंहनगर सिविल अस्पताल की इस घटना की निष्पक्ष जांच हो और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी शासकीय स्थल पर पारदर्शिता बनी रहे और जनता को उनके अधिकारों से वंचित न किया जाए।

उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय बना गायों का डेरा

यात्रियों के लिए खड़ा होना भी मुश्किल

शहडोल।

जिले बुढार रेलवे स्टेशन पर स्थित उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय की दुर्दशा किसी खंडहर से कम नहीं है। इस मुद्दे को लेकर आजाद उपभोक्ता जागरूक एवं विकास परिषद बुढार तहसील के अध्यक्ष पवन ने रेलवे प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पवन ने निरीक्षण के बाद बताया कि जिस प्रतीक्षालय को उच्च श्रेणी की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया था, वहां आज आवारा गायों का कब्जा है और गंदगी इस कदर फैली है कि यात्री वहां कुछ सेकंड भी नहीं ठहर सकते।

उन्होंने कहा कि प्रतीक्षालय के नाम पर सिर्फ नाम रह गया है, सुविधाएं नहीं। न तो एयर कंडीशनर है, न ही बैठने के लिए सोफा या कुर्सी। स्वच्छता के लिए कूड़ेदान या पैरदान जैसी बुनियादी चीजें भी नदारद हैं। प्रतीक्षालय का दरवाजा खुला पड़ा है, मानो वर्षों से उपयोग ही न हुआ हो। पूरे परिसर में गोबर, मूत्र और दुर्गंध फैली हुई है। यह नजारा यात्रियों के लिए बेहद अपमानजनक और असुविधाजनक है। पवन ने तंज कसते हुए कहा कि अगर उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय का यह हाल है, तो सामान्य श्रेणी प्रतीक्षालय की स्थिति क्या होगी, इसकी कल्पना ही भयावह है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से पूछा है कि प्रतीक्षालय की व्यवस्थाओं के नाम पर जो बजट आवंटित होता है, उसका उपयोग आखिर कहां किया जा रहा है? क्या यह राशि भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है?

उन्होंने आगे कहा कि रेलवे को तो समय-समय पर टिकट किराया बढ़ाने की चिंता रहती है, ट्रेनों में टिकट चेक करने की सतर्कता रहती है और गाडिय़ों के विलंब से चलने पर कोई जवाबदेही नहीं होती, लेकिन स्टेशन की बुनियादी सुविधाओं की ओर किसी का ध्यान नहीं है। नगर के नागरिकों ने भी इस मुद्दे पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि यदि उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय में यह हाल है जहां अपेक्षाकृत सुविधाएं बेहतर होनी चाहिए, तो आम यात्रियों के लिए बनाए गए सामान्य प्रतीक्षालयों की हालत का अंदाजा लगाया जा

है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही प्रतीक्षालय की स्थिति नहीं सुधारी गई, तो उपभोक्ता परिषद जन आंदोलन शुरू करने के लिए यह होगा कि रेलवे इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक सुधार की दिशा में कदम उठाता है।

खबर संक्षेप

ग्रीन कैंपस अभियान के तहत किया गया वृक्षारोपण

कोतमा। शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ विनय कुमार सोनवानी के निर्देशन में गुरुवार एवं शुक्रवार को ग्रीन कैंपस अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। प्रथम दिवस 21 विद्यार्थी एवं द्वितीय दिवस 14 विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक स्टाफ डॉ अनीता तिवारी, डॉ चेतना शर्मा, सुश्री कृति मरावी एवं मोहम्मद मोबीन के साथ करंजी, कदम एवं महुआ वृक्षों का रोपण महाविद्यालय परिसर में किया गया एवं परिसर को ग्रीन कैंपस बनाने में अपना योगदान दिया।

14 से पाली में श्रीकृष्ण पर्व

उमरिया। संस्कृति विभाग द्वारा देवी बिरासनी मंदिर प्रांगण, पाली (उमरिया) में 14 से 16 अगस्त,2025 तक 'श्रीकृष्ण पर्व'- हलधर महोत्सव एवं लीला पुरुषोत्तम का प्रकटोत्सव का आयोजन किया जायेगा। तीन दिवसीय समारोह में श्रीकृष्ण केंद्रित नृत्य नाटिका एवं भक्ति गीतों के माध्यम से कलाकार सुरों से सुगंधित भक्ति की जमुना में श्रोताओं को गोते लगवाएंगे। समारोह के प्रथम दिवस 14 अगस्त की पहली सभा भक्ति गायन से सजेगी। दुखीलाल दाहिया, उमरिया श्रीकृष्ण केंद्रित भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। अगली कड़ी में संघमित्रा तायवाड़े, भोपाल द्वारा श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका के माध्यम से कृष्ण, राधा और गोपियों के प्रेम और आनंद का नाटकीय और नृत्यम चित्रण मंच पर जीवंत होगा। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के प्रेम में डूबे सुधीजनों को कबीरा बैण्ड, उमरिया के कलाकार अपने भक्ति गीतों के माध्यम से भक्ति रस की धारा में भिगो देंगे। 15 अगस्त की सुहानी शाम में नर्मदापुरम की ममता मिश्रा मंच पर नमूदार होकर भक्ति गायन की प्रस्तुति देंगी। अगली कड़ी में अभिनयना डांस अकादमी, उड़ीसा के कलाकार दर्शकों का मन मोहने वाले तत्वों में नृत्य, भजनों की प्रस्तुति और कृष्ण के बचपन की लीलाओं का मंचन करेंगे। 16 अगस्त को कार्यक्रम के समापन दिवस पर पहली प्रस्तुति श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका शालिनी खरे एवं ग्रुप, जबलपुर की होगी। अंतिम सभा में विवेक मेहता एवं साथी, इंदौर श्रीकृष्ण केंद्रित भक्ति गीत और संगीत के माध्यम से दर्शकों को प्रभु भक्ति की वैतरणी से पार लगाएंगे।

हायर सेकेंडरी चन्सुरा में 66 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित

उमरिया। स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन की निशुल्क साइकिल वितरण योजना अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंसुरा में

कक्षा 9 में अध्यनरत 30 बालक एवं 36 बालिकाओं को पात्रता अनुसार निशुल्क साइकिल का वितरण विद्यालय में किया गया । इस अवसर पर माधव कोल सरपंच ग्राम पंचायत चन्सुरा, राजेंद्र तिवारी, राम प्रसाद विश्वकर्मा, बबलू जायसवाल, पी.बी.प्रजापति विकासखंड शिक्षा अधिकारी मानपुर, विनोद मिश्रा , कलेश्वर सिंह, प्राचार्य धनेंद्र तिवारी शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। साइकिल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में अपार प्रसन्नता देखी गई। उपस्थित अतिथियों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रति दिवस विद्यालय आने हेतु प्रेरित किया गया।

जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध

उमरिया। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि जिले में किसानों के लिये पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। डबल लॉक केंद्र उमरिया में 109.35 मी.टन यूरिया में से 18.00 मी.टन आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित निपनिया तथा 29.250 मी. टन जिला विपणन समिति उमरिया को प्रदाय की गई है। शेष 62.10 मी.टन यूरिया डबल लॉक केंद्र उमरिया में उपलब्ध है तथा कृषकों को नगद में यूरिया प्रदाय की जा रही है। इसी तरह इंदवार डबल लॉक केंद्र में 54.900 मी. टन तथा मानपुर डबल लॉक केंद्र में 49.500 एवं एम.पी. एग्रो उमरिया में 59.850 मी.टन. यूरिया उपलब्ध है। इस प्रकार कृषकों को आवश्यकता अनुसार नगद में प्रदाय की जा रही है। वर्तमान में जिले में यूरिया की कोई समस्या नहीं है।

ईमानदारी का पोस्टर फाड़ो, लापरवाही में स्वर्ग बसा है!

फाइलों में सब हरा-भरा, ज़मीन पर योजनाएं धूल-धूसरित

जिला प्रशासन की आंखें अब भी बंद क्यों

जब भ्रष्टाचार को इनाम और लापरवाही को अधिकार समझ लिया जाए, तब समझिए कि शासन व्यवस्था में दीमक नहीं, बल्कि पूरा घोंसला लग चुका है। जनपद पंचायत गोहपारू की ग्राम पंचायत खोहरी के ग्राम रोजगार सहायक पर लापरवाही और कार्य में घोर उदासीनता के गंभीर आरोपों के बाद संविदा सेवा समाप्ति की नोटिस जारी हुई है, लेकिन मूल प्रश्न यह है क्या भ्रष्टाचार की इस बेल को काटने की हिम्मत प्रशासन के पास है या फिर यह एक और फाइलों की बलि चढ़ेगा?

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत गोहपारू की ग्राम पंचायतों में काम से ज़्यादा कामचलाऊ शब्द का चलन तेजी से बढ़ा है। रोजगार सहायकों की नियुक्ति, जिसे कभी ग्रामीण विकास की रीढ़ माना गया था, अब दफ्तर की भीड़ का हिस्सा बन चुकी है। इस बार तो गोहपारू जनपद के ग्राम पंचायत खोहरी के रोजगार सहायक इन्द्रपाल सिंह ने अपने कारनामों से लापरवाही की गाथा को भी मात दे दी है। इनकी ड्यूटी का स्थान ग्राम पंचायत नहीं, बल्कि नशे की दुनिया बताया जा रहा है। आरोप है कि जब भी ये पंचायत में प्रकट होते हैं, तब अल्कोहल की महक पहले आ जाती है, फिर इनकी मर्जी। अब जरा सोचिए, जिनके कंधों पर प्रधानमंत्री आवास से लेकर खेत-तालाब जैसी योजनाओं को सही समय पर जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी थी, वह खुद जमींदोज़ हालत में पाए गए, लेकिन दिलचस्प बात ये नहीं, ये तो अब आम हो चला है। असली मज़ा तो तब आता है जब ऐसे कर्मवीरों पर कार्रवाई के नाम पर नोटिस थमा दिया जाता है और फिर लंबी 'प्रशासनिक तन्द्रा' में फाइलों को सुलाया जाता है। और हां, जिन भ्रष्टाचार की जांचें बड़े ज़ोर-शोर से जिला पंचायत से कलेक्टर कार्यालय तक जाती हैं, वहां पहुँचते ही जांच की फाइलें किसी 'पवित्र स्नान' से धोकर वापस भेज दी जाती हैं , सब क्लीन चिट, सब पाक-साफ़।

इन्द्रपाल सिंह पर लगे हैं गंभीर आरोप

पूरे वर्ष का लेबर बजट लक्ष्य 13819 मानव दिवस था, और इन्होंने मेहनत करके 6575 मानव दिवस उत्पन्न किए यानी सिर्फ़ 47.58 प्रतिशत। सक्रीय श्रमिक नियोजन का लक्ष्य 68 था, लेकिन जनाब के प्रयासों से सिर्फ़ 4त्न श्रमिक ही नियोजित हो पाए। शायद बाकी मजदूरों को उन्होंने ब्रेक दे रखा था। जलगंगा संवर्धन जैसे महत्वाकांक्षी योजना में 14.76 लाख में से केवल 3.72 लाख खर्च किया गया, योजना तो सूख गई, लेकिन रिपोर्ट में सब 'ग्रीन' दिखा।

रजिस्टरों का संधारण नहीं

अब सवाल ये नहीं है कि इन्द्रपाल सिंह जैसे कितने रोजगार सहायक हैं, सवाल ये है कि ऐसे लंबी छूट पाए लोग कैसे प्रशासन की छांव में वर्षों तक टके रहते हैं? भ्रष्टाचार के मामलों में जब गांव से लेकर जिला मुख्यालय तक शिकायतें होती हैं, तो जांच इतनी लंबी होती है कि शिकायतकर्ता बूढ़ा हो जाए और आरोपी प्रमोशन पा जाए। एक ही ग्राम पंचायत में 66 कार्य अपूर्ण, 01 ग्रेवल रोड वर्षों से अधूरा, 36 प्रधानमंत्री आवास अधूरे, 10 खेत तालाब अटके, कूपों की माप अधूरी, 7 रजिस्टरों का संधारण गायब। फिर भी जनाब को वर्षों से कार्यरत दिखाया गया। यही नहीं, मस्टर रोल भेजने में इतनी लापरवाही कि भुगतान तक नहीं हो सका , लेकिन फिर भी वे सेवा में बने रहे।

...तो सिस्टम की है गलती

गांव की जनता भले गर्मी में जल स्त्रोत के इंतज़ार में तप जाए, या बारिश में कच्चे तालाब ढह जाएं, लेकिन फाइलों में सब कुछ चमचमाता है और इन सबकी छतरी बनता है, 'भ्रष्टाचार का बेलन', जो हर फाइल को बेल कर सीधा कर देता है। चाहे शिकायत हो या जांच रिपोर्ट, अंत में परिणाम वही , सहायक साहब निर्दोष, गलती सिस्टम की! जब तक किसी जनप्रतिनिधि का मूड खराब न हो या कोई मीडिया वाला खबर न छाप दे, तब तक इन 'संगीन लापरवाहियों' को साधारण त्रुटि मानकर नजरअंदाज किया जाता है। और अगर कोई बिचारा ईमानदार अफसर सख्ती दिखाए, तो वही फाइलों में विवादास्पद हो जाता है। जिले में ऐसे अनेक रोजगार सहायक हैं जिन पर भ्रष्टाचार, कदाचार, और वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण जिला प्रशासन के पास वर्षों से पड़े हैं। लेकिन उन पर कोई सख्त कार्यवाही नहीं होती। कारण? बहुत सरल भ्रष्टाचार अब एक् रशासकीय नीति बन चुका है।

शहडोल का प्रशासन अब ऐसा हो चला है जहां
जांच का मतलब है- समय काटो।
फाइल का मतलब है- 'धो' दो।
लापरवाही का मतलब है: अगले साल भी बने रहो।

ईमानदार की सजाः ट्रांसफर या बहिष्कार। ग्राम रोजगार सहायकों की नियुक्ति से लेकर उनके कार्य मूल्यांकन तक का तंत्र पूरी तरह से ढीला पड़ा है। संविदा सेवा शर्तें सिर्फ नोटिस में चमकती हैं, अमल में नहीं। यदि इन्द्रपाल सिंह जैसे लोग वर्षों तक अपनी मर्ज़ी से पंचायत में अनुपस्थित रहकर भी सिस्टम का हिस्सा बने रहते हैं, तो ये सिर्फ उनकी गलती नहीं, ये पूरे प्रशासनिक तंत्र की नैतिक मृत्यु है।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि और बाढ़ से हुई क्षति की राहत राशि की अंतरित

जिले के 141 हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित

उमरिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि और बाढ़ से हुई विभिन्न क्षतियों जैसे जनहानि, पशुहानि, मकान क्षति एवं अन्य क्षति के लिये प्रभावितों को सिंगल क्लिक के माध्यम से राहत राशि वितरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राहत राशि का वितरण किया और हितग्राहियों से चर्चा भी की। जिले के 141 हितग्राहियों के खाते में 36 लाख रूपये से अधिक की राशि का अंतरण हुआ । कार्यक्रम का लाईव प्रसारण उमरिया एनआईसी में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, तहसीलदार दिलीप सोनी, अधीक्षक भू अभिलेख एस के शर्मा शैलेन्द्र सिंह, हरी गुप्ता सहित हितग्राही उपस्थित रहे ।

विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने प्रतीक स्वरूप 8 हितग्राहियों को राहत राशि अंतरण होने का प्रमाण पत्र वितरित किया । जिसमें आकाशीय बिजली से पशुहानि होने पर विजय यादव निवासी खैरा को 37500 रूपये, अतिवृष्टि से मकान क्षति होने पर गुलाब कोल निवासी घंघरी को 10 हजार रूपये, गीता बाई निवासी घंघरी को 10 हजार रूपये, रामकली कोल निवासी घंघरी को 10 हजार रूपये, आरतीलाल निवासी किरनतालकला को चार हजार रूपये, सरमन निवासी किरनताल कला को चार हजार रूपये तथा हीरा सिंह निवासी अमहा को 3200 रूपये शामिल है।

17 वर्षीय गुमशुदा बालिका को पुलिस ने 48 घंटे में खोज निकाला

उमरिया पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता लाई रंग

उमरिया।

जिले की सिविल लाइन चौकी, थाना कोतवाली पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए 17 वर्षीय गुमशुदा बालिका को मात्र 48 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर लिया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम के निर्देशन में महिला एवं बाल अपराधों के प्रति विशेष संवेदनशीलता दिखाते हुए की गई। मामले की शुरुआत 5 अगस्तको हुई, जब फरियादी निवासी ग्राम धनवाही ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री बिना किसी सूचना के घर से कहीं चली गई है। परिजनों ने आसपास के क्षेत्र में खोजबीन की, लेकिन बालिका का कहीं पता नहीं चला। संदेह व्यक्त किया गया कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। शिकायत पर थाना कोतवाली में धारा 137(2) के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के प्रयास शुरू किए। बालिका की तलाश में उसके परिचितों से पूछताछ की गई, तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर उसके संभावित ठिकानों का पता लगाया गया। पुलिस ने साइबर तकनीक और ग्राउंड इंटेलिजेंस का समुचित उपयोग करते हुए कार्यवाही को आगे बढ़ाया। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप पुलिस को सफलता मिली और गुमशुदा किशोरी को मात्र 48 घंटे में सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस की इस तत्परता और संवेदनशीलता से परिजन बेहद राहत में हैं और उन्होंने उमरिया पुलिस के प्रति आभार प्रकट किया है। वर्तमान में प्रकरण में आगे की विधिसंगत कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू ने इस कार्य के लिए टीम की सराहना करते हुए कहा कि जिले में महिला और बाल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उमरिया पुलिस की यह त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई समाज में विश्वास की भावना को और भी मजबूत करती है।

प्रमुख मार्गों को खा गया अतिक्रमण

आवाजाही में कई तरह की हो रही परेशानी, जिम्मेदारों ने साधा मौन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर के प्रमुख मार्गों में अतिक्रमण हर व्यक्ति के लिए समस्या बन गई है। यह स्थिति अधिकारियों के संज्ञान में भी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए नगर प्रशासन ने अभी तक कोई रणनीति नहीं बनाई है। अतिक्रमणकारी राहगीरों के चलने वाली सड़क को भी कब्जा कर लिए है। नगर के मुख्य मार्गो में अतिक्रमणकारियों का बोलबाला है। सड़क किनारे जगह-जगह बड़े दुकान एवं फुटपाथी दुकानदारों ने कब्जा जमा लिया है। जिससे सड़क संकरी हो गई है। इससे आए दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकान की सीमा से बाहर भी सामान रखे रहते हैं, जिसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है। इससे सड़कों पर पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए फुटपाथ पर पैर रखने की जगह नहीं बची होती है। पुराना अस्पताल रोड सब्जी मंडी रोड स्टेशन चौक पंचायती मंदिर रोड पोस्ट ऑफिस रोड जकीरा चौक गांधी चौक मुखर्जी चौक बस स्टेंड जाने वाले मार्गो में दुकानदारों के द्वारा मनमाने तरीके से दुकान की सामग्री बाहर लगा कर सड़क को छोटा करते जा रहे हैं। जिस पर नगर प्रशासन एवं यातायात विभाग का ध्यान नहीं जा रहा है ना ही जिम्मेदार अतिक्रमण हटाने की तैयारी में है। कुल मिला कर आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर में सड़कों पर अतिक्रमण से समस्या बढ़ गई है। आमजनो को सड़को पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। दुकानों का सामान निकालकर सड़क पर रखा जा रहा है।

सड़क तक फ्लैक्स बोर्ड

जिस जगह पर ग्राहको के वाहन खड़े होने चाहिए। वहां दुकान दारो के द्वारा बड़े बड़े बोर्ड लगा रखे है। इस वजह से सड़क पर यातायात प्रभावित होता है। व्यापारियो के द्वारा मनमानी की जा रही है। अव्यवस्था को सुधारने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे है। यातायात विभाग का अमला भूले बिसरे कभी सड़क पर निकलता है। यही वजह है कि समस्या का हल अब तक स्थाई रूप से नहीं निकल पाया है। प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सालों से नहीं की गई। पहले प्रशासन के आदेश से ये कार्यवाही होती रही है लेकिन लंबे समय से अतिक्रमण या कब्जा नहीं हटाया गया है। पूरा बाजार क्षेत्र और मुख्य सड़क अतिक्रमण के कारण अव्यवस्थित है।

आवाजाही में कई तरह की परेशानी

इस वजह से लोगो को आवाजाही में कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बाजार में दुकानो की संख्या बढ़ी है लेकिन व्यवस्था के नाम पर कोई प्लान नहीं बनाया जा रहा है। यहां त्योहारों के सीजन के अलावा आम दिनों में भी ग्राहकों की भीड़ रहती है। अतिक्रमण की समस्या भी यहां सबसे ज्यादा है। बड़ी बड़ी दुकानों का सामान सड़क पर रखा होता है। कपड़े के दुकानदार सड़क पर दुकान लगाते हैं, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम संचालक सड़क पर ही इलेक्ट्रॉनिक सामान रखते हैं, इतना ही नहीं बर्तन बेचने वाले बड़े दुकानदार भी सड़क पर दस फिट आगे तक बर्तन जमाते हैं। पुराना अस्पताल रोड पंचायती मंदिर रोड सब्जी मंडी रोड पर आलमारी, बिस्तर पेटी जनरल स्टोर इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने वालों का कब्जा है तो वहीं आजाद चौक गांधी चौक जकीरा रोड पर भी दुकानदारों का सामान फुटपाथ घेर रहा है। मुखर्जी चौक जाने वाले रास्ते में भी यही समस्या है। अतिक्रमण के कारण दूसरी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। जिसके कारण जाम के हालात बनते हैं। बाजार एरिया में नो एंट्री है उसके बाद भी चार पहिया वाहन चालक एवं भारी वाहन बाजार में ले जाते हैं। जिसके कारण प्रतिदिन घंटो जाम की स्थिति बन जाती है। एक दिन बाद रक्षाबंधन का त्यौहार है जिसको लेकर बाजार मे भीड बढ़ने लगी है जिसको देखते हुए यातायात विभाग को चार पहिया एवं बड़े वाहनों का नगर के अंदर प्रवेश पर रोक लगाते हुए बैरीकेडिंग करने की व्यवस्था करनी चाहिए। वहीं दुकानदारों के द्वारा सड़क पर ही तिरपाल लगा लिया जाता है जिसके कारण आवागमन में परेशानी होती है। बाजार जाने वाले रास्ते में भारी वाहन का प्रवेश होने के कारण प्रतिदिन पंचायती मंदिर पुराना अस्पताल टर्निंग प्वाइंट मोड़ के पास घंटो जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

युवाओं ने थाना परिसर में रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित किया कार्यक्रम

'खाखी के संग राखी' : पुलिस अधिकारियों की कलाइयों में बांधी राखी

उमरिया। राखी के संग खाखी कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशन व मार्गदर्शन पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा उमरिया कोतवाली थाना परिसर में राखी के संग खाखी कार्यक्रम का आयोजन कर समस्त पुलिसकर्मियों के कलाइयों में बांधी राखी। रक्षाबंधन से पहले पाली थाना में पुलिस कर्मियों की कलाई पर युवा टीम के बहनों ने परंपरागत तरीके से माथे पर तिलक लगाकर राखियां बांधी इसके बाद पूरे थाने का माहौल कुछ पल के लिए अनुच्छेद प्यार के अनोखे बंधन में सराबोर हो गया।एसडीओपी डॉ.नागेंद्र प्रताप सिंह व कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने कहा कि पुलिस विपरीत परिस्थितयों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज के प्रति अपने दायित्व निभाती है, ऐसे में समाज उनके साथ इस तरह की खुशियां बांटे तो कर्मियों के हौसले बढ़ जाते हैं। इस अवसर पर कलाई पर रक्षासूत्र पहनने के बाद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने बहनों को सुरक्षा के लिए तत्पर रहने का वचन दिया। इस दौरान एसडीओपी डॉ नागेंद्र प्रताप सिंह,थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, , उप निरीक्षक एस के मिश्रा , सहायक निरीक्षक शिवशंकर सिंह,प्रधान आरक्षक योगेश्वर सिंह, चंद्रशेखर यादव, दिनेश नामदेव,अनिल पटेल,अजय सिंह, अनंत श्रीवास, युवा हिमांशु तिवारी, शिखा बर्मन, वैष्णवी बर्मन, अभिनव द्विवेदी राहुल सिंह,दीक्षा सिंह,प्रियंका बैगा व सभी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सीएम राइज स्कूल के छात्र की कट्टे के साथ फोटो वायरल

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत छतवई ग्राम स्थित सीएम राइज स्कूल का एक छात्र देशी कट्टे के साथ सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर को लेकर चर्चा का केंद्र बन गया है। वायरल होते ही यह तस्वीर स्थानीय लोगों और स्कूल प्रशासन के बीच चिंता का विषय बन गई। मामले की सूचना मिलते ही स्कूल प्राचार्य ने तुरंत पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया, जिसके बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मामले की जांच शुरू की। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि छात्र ने यह फोटो स्कूल के पास स्थित एक तालाब के किनारे खिंचवाई थी। पूछताछ में छात्र ने बताया कि उसे यह देशी कट्टा वहीं पड़ा मिला था, जिसे देखकर उसने फोटो खिंचवाई और बाद में किसी ने वह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी।छात्र की निशानदेही पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तालाब से देशी कट्टा बरामद कर लिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने बताया कि कट्टे को जब्त कर लिया गया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह हथियार तालाब में कैसे और किस उद्देश्य से फेंका गया। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। घटना को लेकर स्थानीय नागरिक मनोज रावत ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई और क्षेत्र में अवैध हथियारों पर नियंत्रण की मांग की। इस घटना के बाद स्कूल परिसर में अभिभावकों और छात्रों के बीच खलबली मच गई है। पुलिस ने स्कूल प्रबंधन, आसपास के ग्रामीणों और छात्र के अभिभावकों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। मामला बाल संरक्षण और सार्वजनिक सुरक्षा दोनों दृष्टिकोणों से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है।

जेल में बंद युवक की आवाज बनाकर परिजनों से 20 हजार की ठगी

शहडोल। साइबर ठगी के लगातार बढ़ते मामलों के बीच जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ शातिर ठगों ने जेल में बंद एक युवक की आवाज बनाकर उसके परिजनों को डरा-धमकाकर 20 हजार रुपये ठग लिए। घटना ने न सिर्फ साइबर अपराधियों की नयी चालाकियों की पोल खोली है, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि ठगी के लिए अब आरोपी पुलिस कार्रवाई तक का फायदा उठाने लगे हैं।

ठगों ने परिजनों को बनाया निशाना - ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम कटकाड़ीह भमरहा निवासी रामबोध साहू को पुलिस ने 3 अगस्त को उसकी बाड़ी में गांजा के पौधे मिलने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। गिरफ्तारी की सूचना जैसे ही ऑनलाइन एफआईआर और पुलिस अपडेट्स के जरिए सार्वजनिक हुई, कुछ शातिर ठगों ने मौके का फायदा उठाया और रामबोध के परिजनों को निशाना बना लिया।

सुनाई मारपीट की आवाजें - परिजनों को आए एक अज्ञात कॉल में ठगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए कहा कि वे रामबोध को बुरी तरह पीट रहे हैं और अगर उसे बचाना है तो तत्काल पैसे भेजने होंगे। कॉल के दौरान पीछे से मारपीट और चीख-पुकार की रिकॉर्डेड आवाजें भी सुनाई जा रही थीं, जिससे रामबोध के परिवार में दहशत फैल गई। परिजनों ने घबराकर ठग द्वारा भेजे गए स्कैन कोड के माध्यम से 20 हजार रुपये तुरंत ट्रांसफर कर दिए। शुरुआत में ठग ने 50 हजार की मांग की थी, लेकिन जब परिवार ने तत्काल 20 हजार भेजे, तो ठग ने कहा कि बाकी पैसे बाद में भेजना।

सच सामने आते ही उड़े होश - कुछ मिनट बाद जब परिजनों ने दोबारा कॉल कर जानकारी लेनी चाही, तो उसी नंबर से गाली-गलौच कर ठग ने साफ कहा कि वह रोज इसी तरह लोगों को ठगता है और यही उसका 'पेशा' है। उस वक्त तक परिजनों को समझ आ गया कि वे शिकार बन चुके हैं। घटना की जानकारी ब्यौहारी पुलिस और शहडोल साइबर सेल को दी गई है। पुलिस के मुताबिक जिस नंबर से कॉल आया था, उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है साथ ही कॉल डिटेल्स और बैंक ट्रांजैक्शन की भी जांच की जा रही है।

क्या कहता है प्रशासन - पुलिस विभाग ने आमजन से अपील की है कि ऐसी किसी भी आपात स्थिति में सीधे थाने या जेल से संपर्क करें, बिना पुष्टि के कोई भी आर्थिक लेन-देन न करें। किसी अज्ञात नंबर से आई धमकी या पैसे मांगने वाली कॉल पर विश्वास न करें, क्योंकि आजकल साइबर अपराधी फायदा उठाकर ठगी कर रहे हैं।

सेट्रल एकेडमी स्कूल के बच्चों ने पुलिस को बांधी राखी

थाने से बनसुकली चौराहा तक निकाली तिरंगा यात्रा

थाना के अंतर्गत राखी विथ खाकी कार्यक्रम आयोजित किया गया इसके अलावा पुलिस से बच्चों को अवेयर करने स्पेशल लर्निंग प्रोग्राम के तहत दिनांक 7 अगस्त को थाना ब्यौहारी में राखी की खाकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज, ब्यौहारी।

कार्यक्रम में बच्चों एवं शिक्षकों ने थाना प्रभारी एवं स्टाफ को राखी बांधी राखी बांधने के बाद थाना प्रभारी द्वारा बच्चों को शिकायत शाखा लाक आप रूम, भंडार गृह के बारे में बताते हुए थाने का विजिट कराया गया थाना प्रभारी ने बताया कि आज हम सॉफ्टवेयर के माध्यम से दिल्ली में बैठे हुए व्यक्ति का आधार नंबर के माध्यम से उसके बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है इसका मतलब यह है कि कोई व्यक्ति यदि तमिलनाडु में अपराध करता है और वहां के थाने में यदि प्रकरण पंजीबद्ध है तो हम यहां बैठे-बैठे उसके बारे में देख सकते हैं इसके अलावा उन्होंने कहा कि पुलिस सब की हेल्प करती है पुलिस से लोगों को डरना नहीं चाहिए और किसी भी तरह से कोई परेशान करता है तो थाने में शिकायत करना चाहिए स्कूल के डायरेक्टर रवि मिश्रा ने कहा की पुलिस के प्रति बच्चे जागरुक हो आज साइबर अपराध बढ़ रहे हैं इसलिए कानून को जानना जरूरी है बच्चों को आज स्पेशल लर्निंग प्रोग्राम के तहत थाने का विजिट कराया गया एवं जिससे बच्चे जागरुक हो सके बच्चों को पुलिस के हथियार भी दिखाए गए राखी बांधने के बाद बच्चों ने मध्य प्रदेश सरकार की अभियान घर-घर तिरंगा अभियान के तहत थाना परिषद से लेकर बांसुरी चौराहा तक तिरंगा यात्रा निकाली गई तिरंगा यात्रा जय स्तंभ के पास समाप्त हुई। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की तरफ से ब्रह्मानंद श्रीवास्तव मनोज केसरवानी बीआरसीसी, भानु पटेल बीएसी, धर्मेंद्र पटेल, योगेंद्र पांडे जन शिक्षक रविकांत द्विवेदी जन शिक्षक चंद्रभान गुप्ता जन शिक्षक, आशीष तिवारी ,विराट सिंह,ज्योती गुप्ता,आरपी कुशवाहा पुलिस स्टाफ की तरफ से मोहन परिवार उप निरीक्षक सुभाष द्विवेदी उप निरीक्षक एवं स्कूल के टीचर एवं छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

लूट के तीन आरोपियों को पुलिस ने चंद घंटों में किया गिरफ्तार

लूटा गया मोबाइल, नगदी व घटना में प्रयुक्त बाइकें बरामद, एक अपचारी बालक भी गिरफ्तार

शहडोल। जिले की ब्यौहारी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को चंद घंटों में गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। घटना 7 अगस्त की है, जब फरियादी अपनेन्द्र पटेल ने ब्यौहारी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसी दिन तीन युवकों ने उसे डरा-धमका कर ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन एवं 3000 रुपये नगद लूट लिए। फरियादी के अनुसार आरोपी अपचारी बालक, सागर बरगाही निवासी वार्ड क्रमांक 01, मुदरिया एवं बालकृष्ण शुक्ला निवासी वार्ड क्रमांक 09, सिविल लाइन, ब्यौहारी मोटरसाइकिल से पहुंचे और घटना को अंजाम दिया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय ने दो टीमों का गठन कर तत्काल आरोपियों की तलाश शुरू की। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों आरोपियों अपचारी बालक, सागर बरगाही एवं बालकृष्ण शुक्ला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके आधार पर पुलिस ने लूटा गया मोबाइल, नगदी, दो मोटरसाइकिल और घटना में प्रयुक्त दो अन्य मोबाइल फोन जब्त कर लिए। तीनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस त्वरित और प्रभावशाली कार्रवाई में थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय, उप निरीक्षक मोहन पडवार, प्रधान आरक्षक नरेंद्र उपाध्याय, ध्रुवेन्द्र सिंह, अमर सिंह, हरपाल सिंह एवं आरक्षक मिथलेश सिंह की भूमिका रही। ब्यौहारी पुलिस की इस मुस्तैदी से क्षेत्र में आम नागरिकों के बीच सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

शहडोल: BSNL की सेवाओं में बड़ी खामी: क्या ग्राहकों से ठगी हो रही है

अमलाई।

भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL), जो खुद को देश की सबसे बड़ी टेलीफोन और इंटरनेट सेवा प्रदाता के रूप में प्रस्तुत करता है, हाल ही में अपनी सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर भारी आलोचनाओं का सामना कर रहा है। शहडोल, धनपुरी, अमलाई और बुढ़ार जैसे क्षेत्रों में BSNL के गवर्नमेंट और कारपोरेट ग्राहक कई महीनों से परेशान हैं।

इन इलाकों में BSNL की मोबाइल, टेलीफोन और इंटरनेट सेवाएं अक्सर दिनभर बंद रहती हैं। न तो कंपनी द्वारा कोई समस्या का समाधान किया जा रहा है और न ही प्राइवेट वेंडर की ओर से कोई ध्यान दिया जा रहा है। शिकायत करने पर ग्राहकों को कनेक्शन कटवाने की धमकी दी जाती है। इसके बावजूद, बिल पूरे महीने के लिए भेज दिया जाता है, जबकि सेवाएं लगातार बाधित रहती हैं।

ब्रॉडबैंड सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा

BSNL ने अपनी सेवाओं को सुधारने के लिए वेंडर पालिसी लागू की थी, जिसमें प्राइवेट कंपनियों को टेलीफोन और इंटरनेट सेवाएं देने का ठेका दिया गया था। लेकिन ये फर्में ग्राहकों की परेशानियों का कोई समाधान नहीं कर पा रही हैं।

सरकार की योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में ब्रॉडबैंड सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा करने वाली BSNL, नगरीय क्षेत्रों में भी ठीक से कार्य नहीं कर पा रही है। लाइट जाने पर नेटवर्क गायब हो जाता है, और लाइट आने के बाद भी नेटवर्क की स्थिति सामान्य नहीं होती।क्या यह ग्राहकों से ठगी की श्रेणी में नहीं आता? क्या रिचार्ज के पूरे पैसे लेकर बिना सेवाएं दिए ग्राहकों से ठगी नहीं हो रही है?इन परेशानियों के चलते BSNL के अधिकारियों के खिलाफ बढ़ते गुस्से को देखते हुए यह सवाल उठता है कि क्या वाकई BSNL अपने ग्राहकों के साथ न्याय कर रहा है या फिर एक बड़ी ठगी का शिकार करवा रहा है?BSNL की सेवाओं में सुधार की उम्मीद में, अब यह सवाल उठता है कि क्या सरकार और BSNL इस स्थिति को सुधारने के लिए जल्द कुछ कदम उठाएंगे।

शिक्षक संगठन का धरना आंदोलन 15 अगस्त से

कटनी। जिले के शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत शिक्षकों के गुमशुदा, एनपीएस राशि का भुगतान नहीं करने, फर्जी विकलांगता के आधार पर प्राप्त नियुक्तियां, रिश्वत लेकर की जा रही प्रतिनियुक्तियाँ, फर्जी स्थानांतरण एवं शिक्षा विभाग और शिक्षकों को ब्लैकमेलिंग से बचाने के लिए 15 अगस्त से कटनी में शासकीय शिक्षक संगठन का धरना-आंदोलन कलेक्ट्रेट कटनी के सामने प्रारंभ होगा। बार बार पत्राचार कर जिला प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराने के बाबजूद कोई कार्यवाही न होने के कारण जिले के समस्त जनप्रतिनिधियों, विधायकों एवं जिले के प्रभारी मंत्री के संज्ञान में उक्त अराजकता एवं भ्रष्टाचार को उजागर करने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए उक्त प्रदर्शन किया जावेगा।

शहडोल में ज्वेलरी शॉप में बड़ी सेंधमारी: सीसीटीवी कैमरों का कनेक्शन काटकर उड़ाए लाखों के जेवरात

शहडोल।

जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र के कोटमा वार्ड क्रमांक 3 स्थित सोनी कॉम्प्लेक्स में बीती रात बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। कृतिका ज्वेलर्स नामक दुकान को अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पूरी वारदात बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई, जिसमें चोरों ने सबसे पहले दुकान के तीन सीसीटीवी कैमरों का कनेक्शन काटा, फिर शटर तोडक़र अंदर घुसकर कीमती सामान समेट ले गए। दुकान के संचालक चिंतामणि सोनी उम्र 64 वर्ष निवासी ग्राम कोटमा ने बताया कि वे यह दुकान अपने बेटे रामभुवन सोनी एवं दामाद रविकांत सोनी के साथ मिलकर संचालित करते हैं। प्रतिदिन की तरह 7 अगस्त की रात लगभग 8 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगली सुबह लगभग 6 बजे पास ही रहने वाले राजकिशोर मिश्रा ने फोन कर जानकारी दी कि दुकान का शटर खुला है और ताले टूटे हुए हैं। सूचना मिलते ही चिंतामणि सोनी अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंचे और पाया कि दुकान का शटर उखड़ा पड़ा है, अंदर सारा सामान अस्त-व्यस्त है और कीमती जेवरात गायब हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि चोरों ने 17 जोड़ी चांदी की पायल, 3 करधन, बच्चों के कड़े, मंगलसूत्र, बिछिया, सिक्के एवं सोने की अंगूठियां, नथ, कील, लॉकेट समेत अन्य जेवरात चोरी कर लिए हैं। चोर दुकान में रखा पुराना स्टॉक भी समेट कर ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही सोहागपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मुआयना कर मामला दर्ज किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चूंकि चोरों ने दुकान के कैमरे का कनेक्शन पहले ही काट दिया था, इसलिए घटनास्थल से फुटेज नहीं मिल सका, हालांकि पुलिस आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरोंके फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि चोरी का एक अहम सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसके आधार पर पुलिस टेक्निकल एविडेंस की मदद से छानबीन कर रही है। पुलिस की टीम द्वारा चोरों की पहचान और उनकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। यह वारदात शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। स्थानीय व्यापारियों में चोरी की घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। व्यापारी वर्ग ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पंचायत उन्नति सूचकांक का हुआ विमोचन

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतें हुई सम्मानित

उमरिया।

जनपद पंचायत करकेली में पंचायत उन्नति सूचकांक वर्ष 2022-23 का विमोचन एवं प्रचार-प्रसार हेतु जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका मून सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं जिला विकास सूचकांक के 9 विषयों पर जनपद की ग्राम पंचायतों का चयन किया गया। जिसमें सशक्त पंचायत सतत विकास की अवधारणा के साथ पंचायतों को सशक्त बनाने, उनके कामकाज को पारदर्शी और कुशल बनाने के किए गए कार्य के आधार पर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत को पंचायत विकास सूचकांक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जनपद पंचायत करकेली की ग्राम पंचायत दुब्बार प्रथम स्थान , ग्राम पंचायत चंदवार द्वितीय स्थान , ग्राम पंचायत पाली तृतीय स्थान एवं बाकी ग्राम पंचायतों जैसे अखड़ार, उफरी, लोढ़ा, बरही, गोपालपुर, पठारी, पथराहटा, प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, साथ ही अन्य 10 चयनित ग्राम पंचायत बिलासपुर, जरहा, सलैया-05, पिनौरा, मानिकपुर, बडख़ेरा, ओबरा, भरौला, मझगंवा एवं किरनतलकला को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए एवं सभी का टीएमपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष ने सम्मानित पंचायतों के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा आप सभी ने जो कार्य किए हैं, वे निश्चित ही सराहनीय हैं। अब आवश्यकता है कि आगामी दिवसों में अपने क्षेत्र में शासन की मंशा अनुरूप और बेहतर कार्य करें, ताकि आमजन को इसका सीधा लाभ मिल सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जनपद पंचायत सुश्री हरनीत कौर कलसी ने कहा इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि आप लोग अपने-अपने क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का उपयोग करके पंचायतों के विकास कार्य करें, ताकि अन्य पंचायतें आपसे प्रेरणा लेकर अपनी पंचायतों को बेहतर बना सकें। उन्होंने कहा कि यह महज सम्मान नहीं, बल्कि एक उदाहरण और चुनौती भी है जिससे बाकी पंचायतों को अपनी कमियों को पहचानकर सुधार की दिशा में प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान रवि कुमार यादव डीइओ आरजीएसए जिला पंचायत उमरिया ने सूचकांक की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि पंचायत उन्नति सूचकांक पीएआई 1.0 स्थानीय समुदायों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह 9 प्रमुख विषयों के आधार पर पंचायतों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। इन विषयों को सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे विकास अधिक प्रासंगिक और सार्थक बनता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 के प्रदर्शन के आधार पर जनपद पंचायत की 20 श्रेष्ठ पंचायतों को आज इस कार्यशाला में सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार यादव, डीइओं (आरजीएसए) जिला पंचायत उमरिया ने किया एवं आभार व्यक्त विकास दाहिया ने किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सदस्य,व जनपद पंचायत करकेली के सभी विभाग के प्रभारी अधिकारी , लाइन विभाग के अधिकारी,आरजीएस स्टाफ ,पुरस्कृत पंचायत के सरपंच,सचिव,रोजगार सहायक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गुराघाटी में भीषण सड़क हादसा

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला, मौके पर मौत

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरा घाटी में बीती रात एक भीषण सडक़ हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शहडोल-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर रात करीब हुआ, जब अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सडक़ पर दूर तक घसीटते चले गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद राहगीरों ने सडक़ पर पड़े शवों और क्षतिग्रस्त बाइक को देख तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना ब्यौहारी के प्रभारी अरुण पांडे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।

पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जिस स्थान पर हादसा हुआ वह इलाका काफी सुनसान है, जिस कारण कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आया। दोनों मृतकों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच आंकी जा रही है, लेकिन उनकी शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। बाइक पर नंबर प्लेट नहीं होने और पहचान संबंधी दस्तावेज न मिलने के कारण पुलिस को पहचान में कठिनाई हो रही है। हालांकि, दोनों युवकों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी सहायता से पुलिस उनकी पहचान करने का प्रयास कर रही है। वहीं अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और हाइवे पर तैनात टोल प्लाजा से भी जानकारी जुटाई जा रही है। यह हादसा न केवल युवकों की असमय मृत्यु का कारण बना, बल्कि सडक़ सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल भी खड़े करता है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

अमरकंटक के रामघाट में हटाया गया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। नगर परिषद अमरकंटक द्वारा 8 अगस्त को वार्ड क्रमांक 10, रामघाट क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क के किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, फड़, तथा अस्थायी दुकानों को हटाकर सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमण मुक्त किया गया। यह कार्रवाई मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री चैन सिंह परस्ते के नेतृत्व में, अतिक्रमण प्रभारी एवं स्थानीय पुलिस बल की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। सुबह 11 बजे प्रारंभ हुई यह कार्रवाई लगभग दो घंटे तक चली, जिसमें क्षेत्र को व्यवस्थित और यातायात योग्य बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री परस्ते ने बताया कि आम नागरिकों की सुविधा, आपातकालीन सेवाओं के निर्बाध संचालन और नगर की सुंदरता बनाए रखने हेतु यह अभियान आवश्यक था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे अतिक्रमणों पर और अधिक कठोरता से कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद ने स्थानीय व्यवसायियों और नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण से परहेज करें और नगर की स्वच्छता एवं सुव्यवस्था में सहयोग दें।

दुर्गा वाहिनी ने थाना प्रभारी एवं स्टाफ को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं ने अनूपपुर कोतवाली थाना पहुंच एडीपीओपी सहित, थाना प्रभारी, सब इंस्पेक्टर, हवलदार सहित सभी पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने बताया कि पुलिस त्योहारों में सुरक्षा व्यवस्था में जुटी रहती है, जिसके कारण वे अपनी बहनों से राखी बंधवाने नहीं जा पाते। ऐसे में दुर्गा वाहिनी की बहनों ने उनकी बहन बनकर यह परंपरा निभाई। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष कविता मिश्रा, सीता राठौड़, राम भाई राठौड़ सहित दुर्गा वाहिनी की अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

इंस्ट्राग्राम में फोटो डालकर बदनाम करने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज चचाई। 6 अगस्त को आवेदिका (परिवर्तित नाम) के व्दारा थाना चचाई में इस आशय का शिकायत आवेदन पत्र दिया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम में फर्जी आईडी बनाकर प्रायवेट फोटो कट कापी कर अश्लील फोटो बनाकर इंस्ट्राग्राम सोशल मीडिया में बदनाम करने के ईरादा से वायरल किया गया है जिससे आवेदिका का इज्जत खराब हुआ है तथा समाज में बदनामी हुई है। आवेदिका की शिकायत आवेदन पत्र की जांच की गई एवं अज्ञात व्यक्ति के व्दारा पीड़ीता के अश्लील फोटो वायरल किये जाने संबंधी की जानकारी सायबर सेल अनूपपुर से प्राप्त की जाकर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना चचाई में अप0 क्र0 200/25 धारा 79 बीएनएस एवं 66डी, 67ए, 67 आई टी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। दौरान विवेचना सायबर सेल से प्राप्त जानकारी के आधार पर इंस्ट्राग्राम में फर्जी आई डी बनाकर पीड़ीता की अश्लील फोटो वायरल करने वाले व्यक्ति के इंस्ट्राग्राम आई डी में लागिन मोबा0 नं0 का पता लगाकर मोबाईल धारक आरोपी श्याम लाल प्रजापति पिता स्व0 सुखदेव प्रजापति उम्र 40 वर्ष एवं उसके साथी अशोक प्रजापति पिता रामा प्रजापति उम्र 20 साल दोनों नि0 ग्राम बकही थाना चचाई जिला अनूपपुर को दस्तयाब कर आरोपी श्यामलाल से मोबाइल जप्त कर उक्त प्रकरण में आरोपियो को गिरफ्तार कर आई टी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी चचाई सुंद्रेश सिंह, सउनि0 महिपाल प्रजापति, प्र.आर. राजेंद्र राठौड़ अशोक बर्मन, आर दीपक मंडलोई एवं सायबर सेल प्रधान आरक्षक राजेंद्र, पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

अमरकंटक में नर्मदा तट पर आज मनाया जाएगा श्रावणी महोत्सव

मृत्युंजय आश्रम की अगुवाई में रक्षाबंधन के दिन होगा आयोजन

मां नर्मदा की पावन उद्गम नगरी अमरकंटक मे आज रक्षाबंधन पर्व के दिन श्रावणी महोत्सव मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर परमपूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज स्वयं कार्यक्रम मे उपस्थित रहेंगे।

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

ब्राम्हणों द्वारा विधि विधान के साथ धारण किये जाने वाले यज्ञोपवीत (जनेऊ) को बदलने और मंत्रोच्चारित जनेऊ को वर्ष भर के लिये सहेजने का श्रावणी पर्व प्रतिवर्ष श्रावण की पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों ,सरोवरों के तट पर संस्कार के रुप मे मनाया जाता है। इस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए मृत्युंजय आश्रम अमरकंटक के परम पूज्य संत महामण्डलेश्वर स्वामी श्री हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज ने बतलाया कि श्रावणी पर्व, जिसे श्रावणी पूर्णिमा भी कहा जाता है, हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण पर्व है जो ज्ञान, विद्या और ऋषियों के प्रति कृतज्ञता का ऐसा पर्व है जिसमे जनेऊ धारण करने वाले सुसंस्कारित ब्राम्हण दस स्नान के साथ पूरे विधि विधान का पालन करते हुए अपना यज्ञोपवीत बदलते हैं। यह पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है और इस दिन यज्ञोपवीत (पवित्र धागा जनेऊ) संस्कार, वेद-पुराणों का पठन-पाठन किया जाता है। श्रावणी पर्व ज्ञान और विद्या की साधना का पर्व है। इस दिन, गुरुकुलों में शिक्षण सत्र का आरंभ होता था और छात्र यज्ञोपवीत संस्कार के साथ वेद-वेदांगों का अध्ययन शुरू करते थे। यह पर्व ऋषियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है, जिन्होंने हमें ज्ञान का प्रकाश दिया। इस दिन, ऋषि-तर्पण करके ऋषियों के प्रति सम्मान प्रकट किया जाता है। श्रावणी पर्व आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का भी पर्व है। इस दिन, लोग पवित्र नदियों में स्नान करके और धार्मिक अनुष्ठान करके अपने पापों से मुक्ति पाने का प्रयास करते हैं। श्रावणी पूर्णिमा को रक्षा बंधन का पर्व भी मनाया जाता है, जिसमें बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी रक्षा के लिए प्रार्थना करती हैं। परिवार के आचार्य मंत्रोच्चारित रक्षा सूत्र अपने यजमानों को बाँधते हैं ।राष्ट्र और धर्म की रक्षा का संकल्प लेते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, श्रावणी पर्व के दिन, लोग नदी में खड़े होकर राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए संकल्प लेते हैं। 9 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन प्रातः 8 बजे से नर्मदा तट पर रामघाट मे अमरकंटक के प्रकाण्ड विद्वानों, आचार्यों, पुरोहितों के साथ सभी जगह से आने वाले ब्राम्हणों,वेद पाठी बटुकों एवं अन्य लोगों के साथ पूरे विधि विधान के साथ श्रावणी महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर आचार्यों द्वारा पवित्र स्नान,हवन,पूजन, यज्ञोपवीत धारण , प्रसाद ग्रहण का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस आयोजन की वृहद तैयारी, आमंत्रण प्रेषण का कार्य किया जा रहा है। जिसे लेकर समाज के लोग उत्साहित हैं। अमरकंटक के रामघाट तट पर स्थित मृत्युंजय आश्रम द्वारा श्रावण मास की पूर्णिमा पर श्रावणी पर्व का भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन श्रवण नक्षत्र की पूर्णिमा, संस्कृत दिवस और नारियल पूनम के पर्व के साथ इस वर्ष शनिवार, 9 अगस्त 2025 को संपन्न होगा। आश्रम के आचार्य, पुरोहित, ब्राह्मण एवं वेदपाठी बालक सबसे पहले पतित पावनी मां नर्मदा के पवित्र जल में स्नान-डुबकी लगाकर जनेऊ परिवर्तन संस्कार करेंगे। वैदिक परंपरा के अनुसार यह क्रिया वर्षभर में मन, वचन और कर्म से हुई त्रुटियों की क्षमा-याचना, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति के उद्देश्य से की जाती है। इसके उपरांत उपस्थित विद्वान एवं ब्राह्मणगण अपने-अपने गोत्र के ऋषियों का तर्पण, होम-हवन एवं देव पूजन करेंगे। यह धार्मिक अनुष्ठान नर्मदा मंदिर परिसर कुंड में स्थानीय पुजारी परिवार के द्वारा किया जाता रहा है ।

श्रावणी पर्व का महत्व

श्रावणी पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इसे श्रावणी पूजन या उपनयन संस्कार दिवस भी कहते हैं। यह पर्व मुख्यतः ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य समाज में विशेष धार्मिक महत्व रखता है।वैदिक परंपरा में इसे वेदाध्ययन और यज्ञोपवीत परिवर्तन का दिन माना जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, गोत्र ऋषियों को तर्पण, देव पूजन, दान-पुण्य और हवन का विशेष महत्व है।उत्तर भारत में इसे रक्षाबंधन, महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा, दक्षिण भारत में वेदाध्ययन की शुरुआत और गुजरात-राजस्थान में पवित्रा एकादशी के रूप में भी मनाया जाता है। माना जाता है कि श्रावणी पर्व पर किए गए स्नान, जनेऊ परिवर्तन, तर्पण और दान से पापों का क्षय होता है, पुण्य की प्राप्ति होती है तथा समाज में भाईचारे और आध्यात्मिक अनुशासन की भावना प्रबल होती है।

डीव्हीएम स्कूल में आयोजित हुई राखी मेकिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।

8 अगस्त को अमलाई में राखी मेकिंग गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के बच्चों द्वारा मनमोहक, सुन्दर राखियों को बनाया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा अपनी प्रतिभा को उजागर करते हुये अपने हाथों से राखी बनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डीके सिंह द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। प्राचार्य द्वारा बच्चों को बताया बताया गया कि रक्षाबंधन पर्व क्यों मनाया जाता है। रक्षाबंधन पर्व शांति, सद्भाव, एकता को दर्शाता है तथा जाति, धर्म, भेदभाव को समाप्त करता है तथा भाई-बहिन के रिश्ते की शक्ति को दर्शाता है। यह त्योहार प्रतिवर्ष श्रावण मास (सावन माह) की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस पर्व की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह पर्व हमें महाभारत काल से भी जोड़ता है, जब भगवान श्री कृष्ण की अंगुली में चोर लग गई थी तब द्रौपदी ने अपने आँचल को फाड़कर उनकी अंगुली पर बाँधा था। गतिविधि के प्रभारी श्रीमती रूपाली जैन व श्रीमती प्रिया शर्मा द्वारा कच्चों को प्रेरित करते हुये उनकी गतिविधि को अपने संरक्षण में सम्पन्न कराया। विद्यालप के अन्य शिसकों के सहयोग से गतिविधि में भाग लेने वाले सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुये मनोबल बढ़ाया गया।

शिव गौरा सावन महोत्सव पर महिलाओं की रंगारंग प्रस्तुति ने मोहा मन

असाधारण प्रतिबद्धता और एकजुटता की सफलता की बधाई-शिवानी पंचोली

हमारे जिले की महिलाएं भी किसी से कम नही-जिपं अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सावन माह मे अनूपपुर नगर की सैकड़ों महिलाओं ने शिव गौरा सावन महोत्सव द्वारा आयोजित सावन महोत्सव बीते दिनों नगर के धनश्री पैलेस मे आयोजित किया गया जिसमे सैकडों की संख्या मे महिलाओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत मे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती शिवानी हर्षल पंचोली एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह एवं भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती रश्मि खरे ने सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की प्रारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत शिव आवाहन से किया गया, जिसकी प्रस्तुति श्रीमती पूनम पाण्डेय ने किया वही कृष्ण राधा के रूप मे बाल कलाकार किया और मायरा द्वारा मैं बरसाने की छोरी पर नृत्य करके उपस्थित महिलाओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसमे सैकड़ो महिलाओ द्वारा सुंदर नाट्य प्रस्तुति विवाह एक अटूट बंधन की थीम के साथ संपन्न किया गया कार्यकम का आकर्षण सावन के गीतों पर महिलाओ द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई जिसमे कवियित्री श्रीमती मीना सिंह ने महिलाओं के अखण्ड सौभाग्य की कविता पढ़ा वही डॉक्टर सरोज शुक्ला प्राचार्य ने अपने विचार व्यक्त किये, सभी को शुभकानाएं दी वही महिलाओं की योग गुरू सुधा मालवीय द्वारा स्वस्थ्य जीवन स्वस्थ्य आचरण को लेकर अपने विचार रखे। अर्पिता शुक्ला, किरण शुक्ला, सोनल सिन्हा, अलका जायसवाल, ज्योति सोनी, विद्या मिश्रा, अर्चना मिश्रा, गुंजन मिश्रा, ध्वनि दत्ता, बीना, अर्चना सिंह, हर्षिता दुबे, रीना अग्रवाल, माधुरी, मंजू मिश्रा, सुनीता नामदेव, अनुराधा चतुर्वेदी, पिंकी चतुर्वेदी, श्वेता नामदेव, गीत शिवहरे, जिया दत्ता, पूनम मिश्रा, शशि तिवारी के द्वारा सावन महोत्सव पर अपनी नृत्य कला का शानदार प्रदर्शन किया। पूनम पाण्डेय एवं किरण शुक्ला द्वारा मंचीय नाटक का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह थी कि इस आयोजन मे सभी उम्र एवं सभी समाज की महिलाओं ने बढ चढ़कर हिस्सा लिया। वही कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही श्रीमती हर्षल पंचोली ने अपने कला का हुनर का प्रदर्शन किया। जिससे बैठी महिलाओं ने करतल ध्वनि से कला का स्वागत किया। इसी प्रकार अनूपपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष व कार्यक्रम की अध्यक्ष रही श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने अपने नृत्य से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजकों द्वारा महिलाओं को लेकर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि रही श्रीमती हर्षल पंचोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य अतिथि रही श्रीमती शिवानी हर्षल पंचोली द्वारा अपने उद्बोधन मे कहा कि अनूपपुर जैसे एक छोटे से जिले मे यहां के महिलाओं के द्वारा इतनी जागरूकता और इतने उत्साह के साथ ऐसा कार्यक्रम किया वही उन्होने कहा कि मैं कार्यक्रम समिति के सभी सदस्यों को उनके उत्कृष्ट समन्वय और कड़ी मेहनत के लिए बधाई देना चाहूँगी, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपकी टीम की असाधारण प्रतिबद्धता और एकजुटता ने इस कार्यक्रम को एक नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। आप सभी के अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम सफल रहा। आपके समर्पण और कड़ी मेहनत ने इसे वास्तव में यादगार बना दिया। आप सभी को एक शानदार शाम की हार्दिक बधाई! वही इस सफल आयोजन पर अनूपपुर के महिलाओं को सौंदर्य को संवारने वाली रति ब्यूटी पार्लर की संचालिका श्रीमती अंशू गुप्ता द्वारा आयोजन समिति के सभी दर्शकों को उपहार देकर सम्मानित किया। अंत मे कार्यक्रम के सफल आभार प्रदर्शन निर्मला मिश्रा ने किया एवं मंचीय कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती निर्मला मिश्रा, किरण शुक्ला एवं श्रीमती आकांक्षा शुक्ला द्वारा किया गया।

त्यौहार के एक दिन पूर्व बाजार मे रही भारी भीड़

भाईयों की कलाई पर आज सजेगी राखी

पुलिस प्रशासन की सुस्ती से परेशान रहा अवाम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

रक्षाबंधन त्यौहार के एक दिन पहले शुक्रवार को बाजारों में खरीदारों की भीड़ नजर आई । शुक्रवार को दोपहर एक बजे के बाद बारिश भी शुरू हो गई लेकिन बहनों का उत्साह कम नहीं हुआ, रुक - रुक कर हो रही बारिश के बीच बहनों ने जमकर खरीदारी की। दिनभर रुक रुक कर बारिश होती रही। रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड में यात्रा करने के लिए महिलाओं की काफी भीड़ सुबह से लेकर देर रात तक रही। नगर में रक्षाबंधन त्योहार को लेकर बहनों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। ट्रेन एवं बसों में अच्छी खासी भीड़ रही बसों में तो पैर रखने की जगह नहीं थी। नगर के गांधी चौक, आजाद चौक, स्टेशन चौक, पुराना स्टेट बैंक चौक, बस स्टैंड में शुक्रवार को बड़ी संख्या में खरीददार बाजार पहुंचे। हर दुकान पर लोग त्योहार की खरीदारी करते दिखाई दिए। बाजार की हर गली में इस कदर भीड़ थी कि पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा था। कपड़ों की दुकान पर बच्चे अपनी पसंद के कपड़े अभिभावकों के साथ खरीद रहे थे। साडी एवं मनिहारी दुकानों पर भी जमकर भीड खरीददारी करते देखी गई। मिठाई की दुकानों पर भी चहल पहल दिखाई दी।

चांदी की राखियों की बढ़ी डिमांड

आज रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जायेगा जिसके लिए चांदी की राखियों की सबसे ज्यादा डिमांड रही। आकर्षक डिजाइन में चांदी की राखियों के आर्डर ज्वेलरी शाप पर मिल रहे हैं। चांदी की राखी लोग हमेशा सहेजकर रखते हैं। दुकानदारों ने बताया कि भाई भी अपनी बहनों को रक्षाबंधन पर यादगार तोहफा देने के लिए सोने की चेन, रिंग, ईयर रिंग से लेकर क्राफ्ट व एंटीक ज्वेलरी तक खरीद रहे हैं। लाइटवेट गोल्ड ज्वेलरी ट्रेंड में है। कई लोगों ने अपनी बहनों के लिए लाइटवेट ज्वेलरी आर्डर की है। इसके अलावा भाई-बहन की फोटो का कोलाज, मोबाइल, लैपटाप उपहार में देने के लिए लोग खरीद रहे हैं।

जगह-जगह जाम से परेशान हुआ अवाम

रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर जहां बाजार में खरीदारों की सुबह से लेकर देर रात तक भीड़भाड़ बनी रही। लोग दो पहिया चार पहिया वाहनों मे खरीददारी करने पहुंच रहे थे जिसके कारण हर घंटे जाम की स्थिति निर्मित हो रही थी सबसे ज्यादा परेशानी मुखर्जी चौक से बाजार जाने वाले रास्ते मे नजर आई। यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए थाना प्रभारी के द्वारा पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। यह परेशानी दुकानदारों के द्वारा सड़क पर दुकान सजाने एवं सडक पर ही फ्लेक्स बोर्ड रखने के कारण निर्मित हो रही थी। बाजार की व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए भी पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी।

जिला मुख्यालय मे नदारत दिखी पुलिस

रक्षा बंधन के एक दिन पूर्व बस स्टैण्ड समेत रेलवे स्टेशन मे यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई वही मुख्य मार्गों मे भी राहगीरों की भीड़ नजर आई, लेकिन यातायात पुलिस नदारत दिखी। यहां तक कि कोतवाली पुलिस ने भी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया जिसके कारण जगह-जगह जाम से आम जनता दो चार होते रही। जबकि पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश हैं कि पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुव्यवस्थित तरीके से बनाया जाये जिससे आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, लेकिन पुलिस अधीक्षक के निर्देश यहां बेअसर देखे गये।

एसबीआई की जमुना कॉलोनी-बदरा में "कैश-क्राइसिस फैक्ट्री"

महीनों से बंद एटीएम, जनता का टूट रहा सब्र

बदरा/जमुना। भारतीय स्टेट बैंक का नाम सुनते ही आम आदमी के दिमाग में भरोसे और सेवा का भाव आता है लेकिन जमुना कॉलोनी और बदरा क्षेत्र में यह भरोसा अब हताशा और गुस्से में बदल चुका है यहां एसबीआई के ज्यादातर एटीएम महीनों से बंद पड़े हैं और बैंक प्रबंधन की लापरवाही इतनी गहरी है कि कोई सुनने तक को तैयार नहीं है। **एटीएम का कब्रिस्तान बना इलाका** जमुना कॉलरी स्थित जायसवाल एटीएम, अशोका होटल के सामने का एटीएम और बदरा बस स्टैंड का एटीएम तीनों चार-पाँच महीने से पूरी तरह बंद पड़े हैं हालात ऐसे हैं कि लोग भूलने लगे हैं कि इन मशीनों से आखिरी बार नकदी कब निकली थी इनमें से कुछ मशीनें तो अब 'एक्सपायरी डेट' पार कर चुकी हैं, यानी तकनीकी रूप से बेकार हो चुकी हैं। एसबीआई जमुना कॉलोनी शाखा का मुख्य एटीएम, जो ग्राहकों के लिए सबसे भरोसेमंद माना जाता था, पिछले 10 दिनों से बंद है वजह उसका एएसआईसी पार्ट खराब हो गया है, लेकिन मरम्मत का नाम तक नहीं लिया गया शाखा में बस एक मशीन चालू है, वह भी सिर्फ नकदी जमा करने वाली अब ग्राहक का पैसा तभी निकल सकता है, जब कोई और ग्राहक उसमें पैसा जमा करे। **बैंक की चुप्पी और जनता का गुस्सा**- स्थानीय लोग भड़क चुके हैं। एक नाराज नरेश चंद शर्मा ग्राहक ने कहा "इतना बड़ा बैंक और इतनी घटिया व्यवस्था! अपने ही पैसे के लिए मीलों दूर भटकना पड़ता है। एसबीआई को ग्राहकों की परेशानी से कोई लेना-देना नहीं है। बुजुर्ग और मजदूर तबका सबसे ज्यादा परेशान है कई बार लोगों को मेडिकल इमरजेंसी में भी नकदी के लिए भटकना पड़ता है, लेकिन बैंक को कोई फर्क नहीं पड़ता **सेवा नहीं, सजा दे रहा बैंक**- यह स्थिति सिर्फ तकनीकी खराबी का मामला नहीं है, बल्कि बैंक के सिस्टम की नाकामी और लापरवाही का खुला प्रमाण है महीनों से मशीनें बंद रहना और उन्हें बदलने या ठीक करने के लिए कोई ठोस कदम न उठाना, सीधे-सीधे ग्राहकों के अधिकारों का हनन है। एसबीआई का यह रवैया यह सवाल खड़ा करता है क्या देश का सबसे बड़ा बैंक अपने ग्राहकों को सेवा देने में असमर्थ हो चुका है, या फिर उसे आम जनता की परेशानी से कोई मतलब ही नहीं? लाल बहादुर जायसवाल संतोष झा के साथ हजारों ग्राहकों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही एटीएम मशीनें ठीक नहीं हुईं या नई मशीनें नहीं लगाई गईं, तो वे सामूहिक रूप से बैंक के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे **इनका कहना है**- अधिकारी का कहना है कि मुख्य एटीएम जो हमारे ब्रांच में स्थित है उसे पर एक भारी भरकम पेड़ 10 दिन पहले गिर जाने के कारण वह क्षतिग्रस्त हो गया है और उसमें चाइनीस मशीन हैं जिसके पार्ट्स नहीं मिल रहे हैं जिसकी जानकारी हमने शहडोल को दे दी है जैसे ही पार्ट्स मिल जाएगा वह चालू हो जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं सावित्री द्विवेदी आयु 75 वर्ष पति राममणि द्विवेदी, निवासी वार्ड नं.-11 नगरपालिका परिषद अनूपपुर, थाना, तहसील व जिला अनूपपुर (म.प्र.) की निवासी हूं। मेरे पति राममणि द्विवेदी जंगल विभाग मे वनपाल पद पर पदस्थ थे जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं। जिन्होने अपनी सेवा पुस्तिका व विभाग के सभी दस्तावेजों में मेरा नाम मीरा दर्ज करवा दिये हैं जबकि मेरे सभी दस्तावेज आधार कार्ड-2184 1740 3914 में सावित्री द्विवेदी दर्ज है व मेरे पेन कार्ड - HRBPD7573J में भी सावित्री द्विवेदी दर्ज है। मुझे घर परिवार मे मीरा के नाम से पुकारा जाता है, बाकी शासकीय दस्तावेजों मे सावित्री द्विवेदी दर्ज है। यह कि मैं शपथकर्ता का नाम मीरा एवं सावित्री द्विवेदी दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के नाम है। जंगल विभाग के सेवा पुस्तिका पेंशन रिकार्ड व अन्य दस्तावेजों में मीरा नाम के बजाय सावित्री द्विवेदी का नाम अंकित करवाना चाहती हूँ इसलिये यह शपथ-पत्र निष्पादित करा रही हूँ। आज से मुझे सावित्री द्विवेदी के नाम से जाना व पहचाना जाये।

In The Court Of Civil Judge Class-I and Chief Judicial Magistrate, District Court, Anuppur
Presiding Officer : श्रीमती वैनवती ताराम
(MJC SUC/02/2025)
गीता बाई Vs शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक आफ इण्डिया
Process Id- 51/2025
पेशी दिनांक :- 22/08/2025

यह कि प्रार्थी गीता बाई ने आपके विरूद्ध पेपर प्रकाशन के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधि सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा । साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीक 31-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है ।

सील

प्रथम व्यावहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
जिला अनूपपुर (म.प्र.)